बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 161 ● नई दिल्ली ● बुधवार 25 जून 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

आईजीआई एयरपोर्ट पर 55 लाख का सोना पकड़ा

नई दिल्ली, इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (आईजीआई) एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने तस्करी कर लाया गया 572 ग्राम सोना पकड़ा है। इस संबंध में दो भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों रियाद से सोना लेकर आए थे। बरामद सोने की कीमत करीब 55 लाख रुपये आंकी गई है। कस्टम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रियाद से दिल्ली आने वाली फ्लाइट संख्या एक्सवाई-329 से 20 जून की रात में दोनों यात्री आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर उतरे थे।

फिलिस्तीन के समर्थन में दिल्ली की आवाज: नरसंहार के खिलाफ विरोध

नई दिल्ली। आज जंतर मंतर पर सैकड़ों छात्र, कार्यकर्ता, शिक्षाविद और जागरूक नागरिक फिलिस्तीन के लोगों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इकट्ठा हुए। दिल्ली राइजेस फॉर फिलिस्तीन नामक इस विरोध प्रदर्शन का आयोजन ऋाेल्लरि द्व दॉरिश्ल्ली द्वारा किया गया था, जिसमें दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने गजा में चल रहे नरसंहार और भूख को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिए इस्राईल की कड़ी निंदा की। यह विरोध दोपहर 2 बजे शुरू हुआ और यह देशभर में हो रहे ऐसे आंदोलनों का हिस्सा था, जो गजा की बमबारी और नाकाबंदी को तुरंत खत्म करने की मांग कर रहे हैं। छात्र संगठनों, सिविल सोसायटी और शिक्षाविदों ने अपने भाषणों में गजा में मचाई गई तबाही, भूख और योजनाबद्ध हिंसा की बात रखी और भारत सरकार व अंतरराष्ट्रीय समुदाय से

इस पर चुप्पी तोड़ने की अपील की। अब्दुल हफीज, स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि गजा की नाकाबंदी सिर्फ जंग नहीं, इंसानियत के खिलाफ जुर्म है। बम गिराए जा रहे हैं, बच्चे भूख से मर रहे हैं और दुनिया खामोश है। हम भारत से अपील करते हैं कि वह अपनी नैतिक ज़िम्मेदारी निभाए और इस्राईल की बर्बरता का खुलकर विरोध करे। यह सिर्फ फिलिस्तीन का मसला नहीं, इंसानियत का मसला है।' नितीश, जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष ने कहा, 'जो कुछ हो रहा है, वह टकराव नहीं बल्कि रंगभेदी शासन और नरसंहार है। हमारी एकजुटता बिना शर्त होनी चाहिए। भारत के छात्र और युवा फिलिस्तीनी जनता के संघर्ष के साथ मजबूती से खड़े हैं द्ध सलीम खान, जमात-ए-इस्लामी हिंद से जुड़े वक्ता ने कहा, इस्राइल द्वारा की जा रही हिंसा को सामान्य मान लेना बेहद खतरनाक है। गजा के नरसंहार पर लोकतांत्रिक देशों की चुप्पी हमारी नैतिकता की परीक्षा है। फिलिस्तीन के साथ खड़े होना सच के साथ खड़ा होना है।' प्रोफेसर नंदिता नारायण, प्रसिद्ध शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा, 'यह एक मानवीय आपदा है। पूरी आबादी को सजा देना युद्ध अपराध है। भारत सरकार को अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए और नरसंहार को रोकने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।' एस.क्यू.आर. इलियास, वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया के सचिव ने कहा, इतिहास केवल अत्याचारियों के जुर्म को नहीं, बल्कि दुनिया की खामोशी को भी याद रखेगा। हम भारत सरकार से अपील करते हैं कि जब तक गजा की नाकाबंदी खत्म नहीं होती, वह इस्राईल से अपने राजनयिक संबंध तोड़ दे।

लड़की के अपहरण की खबर से मचा हड़कंप, पुलिस ने सुलझाया मामला

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस को सोमवार तड़के मौजपुर इलाके में एक लड़की के कथित अपहरण की सूचना मिली। उत्तर पूर्वी जिला के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि घटना की सूचना सुबह करीब 2 बजकर 50 मिनट पर थाना भजनपुरा को मिली। कॉलर ने बताया कि जब वह अपनी महिला मित्र को विजय पार्क मौजपुर छोड़ने गया, उसी दौरान अचानक एक कार में सवार 4 से 5 अज्ञात युवक वहां पहुंचे और लड़की को जबरन उठाकर फरार हो गए।

डीसीपी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए न केवल भजनपुरा थाना बल्कि आसपास के सभी थानों और जिलों को तुरंत अलर्ट कर दिया गया। संभावित रास्तों पर पेट्रोलिंग टीमों को तैनात कर दिया गया और संदिग्ध वाहनों पर निगाह रखी जाने लगी। डीसीपी ने आगे बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से तुरंत एक फ्लैश मैसेज जारी किया गया और कई टीमें बनाई, जो कार की तलाश में जुट गईं। कुछ ही घंटों की जांच के बाद इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ। पुलिस द्वारा लड़की को सुरक्षित ट्रेस किया गया और पूछताछ के दौरान सामने आया कि उसका रास्ते में अपने पुरुष दोस्त से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। नाराज होकर वह खुद ही मौके से चली गई और एक अन्य वाहन से लिफ्ट लेकर घर चली गई। डीसीपी का कहना है कि लड़की की चिकित्सकीय जांच जेपीसी अस्पताल में करवाई गई है। इस मामले में किसी प्रकार की जबरदस्ती या अपहरण की पुष्टि नहीं हुई है, और पुलिस ने कॉलर द्वारा दी गई सूचना को गलतफहमी का नतीजा बताया है।

बाइक-स्कूटी चुराने वाले दो बदमाश धरे

नई दिल्ली, । दक्षिण दिल्ली जिला पुलिस की एएटीएस ने 22 जून को वाहन चोरी के आरोप में दो बदमाशों को खानपुर रेड लाइट से गिरफ्तार किया है। आरोपियों मोहम्मद गुफरान और अरमान की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी के तीन दो दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि एएटीएस टीम के इंचार्ज इंस्पेक्टर उमेश यादव की टीम 11 जून को डी-ब्लॉक, संगम विहार से एक बाइक चोरी के मामले की जांच कर रही थी। इसी दौरान कैमरे में वाहन चोरी करते तीन संदिग्ध नजर आए।

फोन छीनने की कोशिश में चाकू घोपकर युवक की हत्या में बदमाश

नई दिल्ली, उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस ने अशोक विहार में फोन छीनने की कोशिश में विरोध करने पर युवक की चाकू मार कर हत्या के मामले में आरोपी बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। अशोक विहार इलाके के पास सोमवार देर रात मुठभेड़ के दौरान बदमाश बायें पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसे दीपचंद बंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) भीष्म सिंह ने बताया कि 10 जून को हुई लूट और हत्या की वारदात के मामले में बदमाश ऋतिक फरार चल रहा था। डीसीपी ने बताया कि पुलिस टीम ने सोमवार रात करीब साढ़े 10 बजे प्रेम बारी पुल के निकट नाले के पास घेराबंदी की। शहीद उधम सिंह पार्क से संदिग्ध को निकलते देख पुलिस टीम ने उसे रुकने के लिए कहा तो वह रेलवे पटरी की ओर भागने लगा। पीछा करने पर बदमाश ने पिस्तौल से गोली चला दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने उस पर गोली चलाई जिससे वह घायल हो गया। बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने इससे पहले अशोक विहार थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया था और मामले में तीन नाबालिगों को पकड़ा था। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपियों ने अमित कुमार (24) से मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की थी और जब उन्होंने विरोध किया तो उन्होंने उसे चाकू घोंप दिया। ऋतिक की पहचान चौथे साथी के रूप में हुई। जो पीड़ित का फोन और अन्य सामान लेकर मौके से भागने में कामयाब रहा। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि ऋतिक का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले चोरी और हथियार के साथ डकैती के दो मामलों में शामिल था। उसे पांच जुलाई, 2024 को हथियारबंद डकैती के मामले में जमानत पर रिहा किया गया था।

डीयू के स्नातकोत्तर प्रोग्राम में दाखिले का दूसरा राउंड शुरू

नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर प्रोग्राम में दाखिले के लिए रेस जारी है। रविवार को पहले राउंड के दाखिले संपन्न होने के बाद मंगलवार को दाखिले का दूसरा राउंड शुरू हो गया। इसके लिए डीयू ने शाम को दूसरे राउंड के तहत सीटों का आवंटन कर दिया। इस राउंड के लिए 3012 उम्मीदवारों को नई सीट आवंटित की गई। इस राउंड के बाद स्नातकोत्तर प्रोग्राम में दाखिले की राह थोड़ी कठिन हो सकती है। दूसरा राउंड संपन्न होने के बाद उम्मीदवारों के लिए मिड एंट्री का विकल्प खोला जाएगा।

1310 अभ्यर्थियों को पहले राउंड में अपग्रेड की हुई सीट मिली है। पहली सूची में मनपसंद प्रोग्राम नहीं मिलने से छात्रों ने अपग्रेड के विकल्प का चयन किया था। डीयू दाखिला डीन प्रो हनीत गांधी की ओर से जारी डेटा के अनुसार पहले राउंड के बाद अपनी सीट से संतुष्ट होकर 3847 ने फ्रीज का विकल्प लिया।दूसरे राउंड में जिन छात्रों को सीट आवंटित की गई है या जिनको अपग्रेड की गई हैं उन्हें उसे स्वीकार करना होगा।

आईपीएस अफसर के नाम पर ठगी, केस दर्ज

नई दिल्ली, द्वारका इलाके में एक शख्स से जालसाजों ने उसके आईपीएस अफसर मित्र के नाम पर हजारों रुपये की ठगी कर ली। आरोपी ने खुद को भी आईपीएस अफसर बताया था। द्वारका साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित चंदन कपूर परिवार के साथ द्वारका सेक्टर-9 में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि बीते दिनों उनके पास एक कॉल आई थी। फोन करने वाले ने बताया कि उसे उनका नंबर उनके आईपीएस मित्र अनिल प्रथम ने दिया है।

किरतपुर में पानी निकासी को बना नवनिर्मित नाला तीन महीने बाद ही

बिजनौर । जनपद बिजनौर के किरतपुर में आबादी के पानी की निकासी के लिए बना सात सौ मीटर लंबा नाला निर्माण के तीन महीने बाद ही जगह-जगह से टूटकर गिरने से मानकों की अनदेखी की पोल खोल रहा है । नव निर्मित नाले में अभी बरसात का पानी भी नहीं छोड़ा गया है। उधर किरतपुर पालिका के प्रभारी अवर अभियंता यशवंत ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि नाला अभी निर्माणाधीन है । नाले का जो हिस्सा गिरा है, उसे फिर बनाया जाएगा। यह ठेकेदार की जिम्मदारी है। किरतपुर के मोहल्ला अफगानान में आबादी के पानी की निकासी के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा सात सौ मीटर लंबा नाला निर्माण किया गया । जो तीन महीने बाद

ही जगह-जगह से टूट गया। इससे नाला निर्माण में मानकों की अनदेखी की पोल खुल गई।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाला निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। मोहल्ला चमरान, अफगानान और अहमद खेल के पानी की इस नाले के जरिए निकासी होनी थी। मोहल्ला अफगानान के सभासद पति इस्लाम राईन ने बताया कि मई माह के अंत में जब मामूली बारिश हुई, तब भी नाले का कुछ भाग टूट गया था।सभासद पति का कहना है कि उन्होंने पालिका ईओ को मौखिक रूप से अवगत कराया था, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। किरतपुर पालिका के प्रभारी अवर अभियंता यशवंत ने बताया कि नाला अभी निर्माणाधीन है। नाले का जो हिस्सा गिरा है, उसे फिर बनाया जाएगा। यह ठेकेदार की जिम्मदारी है।

किसान ने दरांती से गुलदार का मुकाबला कर बचाई जान

बिजनौर । जनपद बिजनौर के हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के गांव में खेत पर काम कर रहे किसान ने हिम्मत से काम लेते हुए सामने आए गुलदार का दरांती से मुकाबला किया और शोर मचा दिया ।

जिससे गुलदार भाग खड़ा हुआ और किसान की जान बच गई ।

पैजनिया-चांदपुर मार्ग पर स्थित ग्राम करनपुर गांवड़ी के निकट मान सिंह का खेत है। मान सिंह का पड़ोसी पीतराम सिंह उसके खेत में पशुओं के लिए चारा काट रहा था। तभी गुलदार से उसका सामना हो गया। पीतराम

ने हिम्मत दिखाते हुए गुलदार की और दरांती घुमानी शुरू कर दी और पीछे हटते हुए चारे के खेत से बहार आ गया। पीतराम ने खेत से बाहर आते ही शोर मचा दिया, जिससे पास में ही काम कर रहा पंकज भी डंडा लेकर दौड़ पड़ा। शोर सुनकर गुलदार खेत में चला गया। खेत स्वामी मान सिंह ने बताया दो दिनों से गुलदार उसके खेत में डेरा जमाए हुए है। ग्रामीणों ने मामले की सूचना चांदपुर वन रेंज ऑफिस को देकर खेत में पिंजरा लगवाने की मांग की है।

कनाडा रह रहे बिजनौर निवासी की फर्जी फेसबुक आईडी से

बिजनौर। साइबर ठग नित नए पैतरे अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं । दो दशक से कनाडा में रह रहे बिजनौर निवासी एक व्यक्ति की फर्जी फेसबुक बुक आईडी बनाकर साइबर ठगों द्वारा रुपये मांगने का मामला प्रकाश में आया है । चांदपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सिरोना निवासी आचार्य संदीप त्यागी करीब दो दशक से कनाडा में रह रहे हैं। साइबर ठगों ने उनके नाम से फेसबुक आइडी बनाई। उनकी फोटो भी लगा दी। इसके बाद उनके परिचितों को मैसेज किए। शुरू में पैसे रखने की बात कही और उसके खर्चे के एवज में दस हजार से 50 हजार रुपये तक मांगे।जब इसका पता आचार्य संदीप त्यागी को लगा तो उन्होंने तुरंत फेसबुक पर पोस्ट डाली। साइबर ठगों द्वारा की गई चैटिंग के स्क्रीन शॉट भी डाले। उधर साइबर पुलिस के पास इस समय सौ से ज्यादा ऐसे मामले हैं, जिनमें साइबर ठगों ने मामा, फूफा की तरह रिश्तेदार बनकर रुपये डलवा लिए थे।बिजनौर अपर पुलिस अधीक्षक सिटी संजीव बाजपेयी ने बताया कि साइबर ठग नंबर क्लोनिंग भी कर लेते हैं। ऐसे में लोगों को सचेत रहना चाहिए। जब कोई रिश्तेदार बनकर रुपये मांगे तो देने से पहले कंफर्म जरूर कर लें कि आपकी बात सही रिश्तेदार से हो रही है या नहीं। लगातार लोगों को साइबर ठगी के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मीसम जाफरी को मिली पीएचडी की उपाधि नगीना के गौरव का प्रतीक

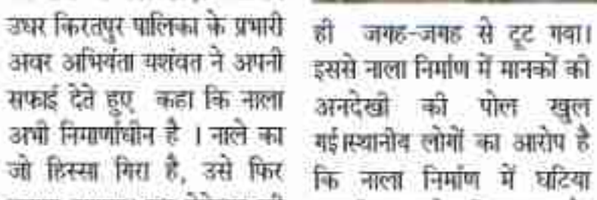

बिजनौर । जनपद बिजनौर के नगीना निवासी सैफ जाफरी के बड़े भाई मीसम जाफरी ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (कक्क) कानपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।

और यह गर्व का विषय है कि उन्हें उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए 'बेस्ट थीसिस अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया गया।

यह उपलब्धि सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, पूरे नगीना क्षेत्र की सामूहिक सफलता और गौरव का प्रतीक है।

मीसम वर्तमान में अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में एक अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजना से जुड़े हैं और उच्च स्तरीय तकनीकी रिसर्च में कार्यरत हैं। पीएचडी दीक्षा समारोह में भाग लेने के लिए वे विशेष रूप से भारत लौटे, जो उनकी मातृभूमि और संस्थान के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

मीसम की इस सफलता से न सिर्फ युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी, बल्कि यह सिद्ध करता है कि छोटे शहरों और कस्बों से निकलकर भी वैश्विक मंचों तक पहुंचा जा सकता है द्य बशर्ते संकल्प मजबूत हो।

कार की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध की मौत

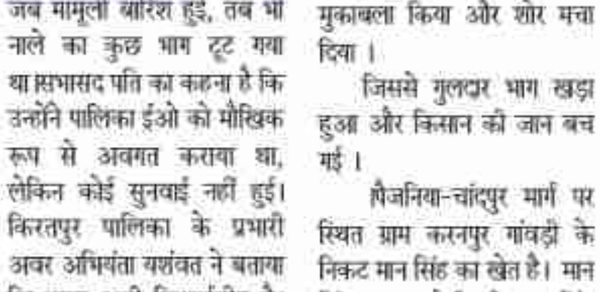

बिजनौर । जनपद बिजनौर के नजीबाबाद कोटद्वार रोड पर तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार वृद्ध की घटना स्थल पर ही मौत हो गई ।

नजीबाबाद के मौहल्ला जाबतागंज निवासी अनिस अहमद 58 वर्ष साइकिल से मजदूरी के लिए निकला था , जैसे ही वह बढ़िया गांव के पास पहुंचा तो तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी । टक्कर लगने से साइकिल सवार की सड़क पर गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार की जीविका यापन करता था । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । और मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है

कोरोना पोजिटिव का पांचवां केस उजागर नौ माह का बच्चा संक्रमित

बिजनौर। जनपद में एक नौ माह का बच्चा कोरोना संक्रमित पाया गया है। बुखार आने पर उसे निजी चिकित्सक को दिखाया गया था। बच्चे को उसके घर पर ही रखा गया है। बीते 25 दिनों में जिले में यह पांचवां कोरोना पॉजिटिव पाया गया है । जिले में कोरोना के मरीज सामने आ रहे हैं। सीएमओ डॉ. कौशलेंद्र सिंह ने बताया कि मोहम्मदपुर देवमल ब्लॉक के एक गांव निवासी बच्चे को बुखार होने पर निजी चिकित्सक को दिखाया गया था। उसकी आरटीपीसीआर जांच कराई गई तो वह कोरोना संक्रमित पाया गया। बच्चे की हालत सामान्य है। उसे घर पर ही आइसोलेशन में रखा गया है। परिवार के किसी अन्य सदस्य में कोई लक्षण नहीं मिले हैं।

सांसद चंदन चौहान के प्रयास से हस्तिनापुर नई रेल लाइन बिछाने की आस

बिजनौर। बिजनौर सांसद चंदन चौहान के अथक प्रयास से अब दिल्ली, एनसीआर दूर नहीं होगा। बिजनौर से मेरठ, दिल्ली वाया दौराला, हस्तिनापुर नई रेल लाइन बिछाने की आस जगी है। इस नई रेल लाइन बनाने का सर्वे पूर्ण हो गया है। अब रेल लाइन बनने के लिए परियोजना की डीपीआर तैयार की जा रही है।पर्यटन के लिए यह रेल लाइन अति महत्वपूर्ण होगी।

बिजनौर- मेरठ वाया दौराला, हस्तिनापुर रेल लाइन बनाने की मांग दो दशक से उठ रही है। इस रेलवे लाइन बनने से दिल्ली, मेरठ, एनसीआर की दूरी बिजनौर मुख्यालय से कम हो जाएगी। पर्यटन के लिए यह रेल लाइन अति महत्वपूर्ण होगी। इसके बनने से जनपद के व्यापारी व आम लोगों को भी काफी

फायदा होगा। वजह, बिजनौर शहर से मेरठ के लिए रेल सेवा नहीं है। दिल्ली के लिए गिनती की ट्रेनों का संचालन होता है। वह भी वाया गजरौला रेल गाड़ी दिल्ली बिजनौर आती-जाती है। यहां का यातायात व्यवस्था रोडवेज बसों पर ही निर्भर है। बिजनौर लोकसभा के सांसद चंदन चौहान ने बताया कि उन्होंने लोकसभा में शून्य काल के दौरान बिजनौर-मेरठ वाया दौराला, हस्तिनापुर नई रेल लाइन का मामला उठाया था। सवाल के जवाब में रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने बिजनौर सांसद को पत्र भेजा। इसमें बताया कि दौराला हस्तिनापुर और बिजनौर 66 किमी नई रेल लाइन का सर्वे कर लिया गया है। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

त्वरित टिप्पणी : अमेरिका का ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर

आपातकाल विस्मृत न हो

ईरान-इजरायल अमेरिका युद्ध- खेमेबाजी का दौर शुरू- तीसरे विश्व युद्ध की ओर दुनियाँ बढ़ी - स्टेट ऑफ होमर्ज बंद होगा-तेल संकट से दुनियाँ जूझेगी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ पिछले करीब 3 वर्षों से युद्ध के संकट में फंस्ती जा रही है, वैसे युद्ध तो अनेकों देशों के बीच अनेक बार हुए हैं, परंतु इस बार रूस-यूक्रेन इजराइल-हमास भारत-पाकिस्तान थाईलैंड-कंबोडिया सहित अनेकों देशों में चल रहे है, परंतु इस बार ईरान-इजरायल अमेरिका के बीच जो कुछ पिछले तीन दिनों से भयावह हो रहा है, जिसके कारण खेमेबाजी का दौर भी शुरू हो गया है,जहां एक और अमेरिका अब इजरायल के समर्थन में खुलकर आ गया है, तो रूस ने अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु क्षेत्र पर किए गए तीन विस्फोटक हमलों को अनुचित और निराधार बताते हुए आलोचना की है,तो वहीं ईरान के विदेश मंत्री द्वारा रूसी राष्ट्रपति से मुलाकात से खेमेबाजी बढ़ने का दौर शुरू हो गया है, तो उधर ईरान ने स्टेट आफ होमुर्ज को बंद करने का फैसला लिया हैयाने इस समुद्री मार्ग से करीब 26 परसेंट तेल की आवाजाही होती है, जिसके परिणाम स्वरूप कीमतों में विस्फोटक वृद्धि की स्थिति आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, हालांकि अभी जब 100 डालर प्रति बैरल बढ़ने के बाद भी भारत में असर नहीं देखा है व केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट किया है कि हमारे यहां स्टॉक पर्याप्त है जिससे असर नहीं होगा, परंतु फिर भी इस महायुद्ध के विपरीत असर आम जनता को भुगतना ही पड़ेगा,चूंकि ईरान इजरायल अमेरिका युद्ध खेमेबाजी का दौर शुरू, तीसरे विश्व युद्ध की ओर दुनिया बढ़ी, स्टेट ऑफ होमुर्ज बंद होगा, तेल संकट से दुनियाँ जूझेगी, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से चर्चा करेंगे, तीसरे विश्व युद्ध की ओर कदम बढ़ाती परिस्थितियों से दुनियाँ डरी, परमाणु खतरों की आशंका बढ़ी, युद्ध की भयावहता को रेखांकित कर समाधान के लिए सवांद जरूरी है। साथियों बात अगर हम ईरान- इजरायल अमेरिका युद्ध में कच्चे तेल, की विस्फोटक कीमतें बढ़ने की संभावना की करें तो, ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका के कूदने के बाद इसके तेज होने की आशंका से कच्चे तेल की कीमतों में आग लगी है।कच्चा तेल अब 81 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है। इसके बावजूद भारत के लोगों के लिए राहत है। क्योंकि, यहां पेट्रोल-डीजल के रेट में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ है, परंतु सोमवार को तेल की कीमतें जनवरी के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई पहले सत्र में 3पेसेंट से अधिक की वृद्धि हुई और ये क्रमशः $81.40 और 78.40 डॉलर पर पहुंच गए, जो पांच महीने के उच्चतम स्तर को छू गए। हालांकि, वह तेजी अधिक देर तक नहीं टिक पाई,ईरान के तीन मुख्य परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमलों ने एक बार फिर इस बात को लेकर चिंता बढ़ा दी है कि तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करेगा। भारत के कुल तेल आयात का बड़ा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल के मोर्चे पर भारत की स्थिति अभी अच्छी बनी हुई है।विशेषकों ने कहा कि रूस से लेकर अमेरिका और ब्राजील तक, वैकल्पिक स्रोत किसी भी कमी को पूरा करने के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। रूसी तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य से अलग रखा गया है, जो स्वेज नहर, केप ऑफ गुड होप या प्रशांत महासागर से होकर आता है। दूसरी तरफ अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका और लातिनी अमेरिका से भी तेल मंगाया जा सकता है, हालांकि यह थोड़ा महंगा होगा। कतर, भारत का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है और वह होर्मुज जलडमरूमध्य का उपयोग नहीं

करता है। ऑस्ट्रेलिया, रूस और अमेरिका में भारत के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के अन्य स्रोत पर भी कोई असर नहीं होगा। हालांकि, विशेषकों ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का असर निकट अवधि में कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ेगा और कीमतें 80 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं। साथियों बात अगर हम ईरान द्वारा अमेरिकी हवाई हमले के जवाब में स्टेट ऑफ होमर्ज बंद करने व कतर एयरबेज पर मिसाइल दाग्ने की करें तो,ईरान की संसद ने हाल ही में अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया है। अगर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होता है तो इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम पर पड़ सकता है।

ऐसा इसलिए क्योंकि ये तेल व्यापार का अहम रास्ता है।इस खबर के सामने आने के बाद क्रूड ऑयल के दाम बढ़कर 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गए हैं।

भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इम्पोर्ट करता है। अगर क्रूड ऑयल के दाम लंबे समय तक बढ़े रहते हैं, तो तेल कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़ सकते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक तंग समुद्री रास्ता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। ये सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन दुनियाँ का 20-25पेर्सेंट कच्चा तेल और 25 पेर्सेंट नेचुरल गैस इसी रास्ते से गुजरती है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर जैसे देशों से तेल के टैंकर इसी रास्ते से दुनियाभर में जाते हैं। भारत के लिए ये रास्ता इसलिए खास है, क्योंकि हमारा 40 पेर्सेंट से ज्यादा तेल इसी रास्ते आता है। अगर ये बंद हो जाए, तो तेल की सप्लाई में रुकावट आ सकती है।

भारत अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा इम्पोर्ट करता है। अगर क्रूड ऑयल के दाम लंबे समय तक बढ़े रहते हैं, तो तेल कंपनियों को पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने पड़ सकते है।(1) स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक तंग समुद्री रास्ता है, जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। ये सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन दुनिया का 20-25 पेर्सेंट कच्चा तेल और 25पेर्सेंट नेचुरल गैस इसी रास्ते से गुजरती है।सऊदी अरब, इराक, कुवैत, कतर जैसे देशों से तेल के टैंकर इसी रास्ते से दुनियाभर में जाते हैं।

भारत के लिए ये रास्ता इसलिए खास है, क्योंकि हमारा 40 पेर्सेंट से ज्यादा तेल इसी रास्ते आता है। अगर ये बंद हो जाए, तो तेल की सप्लाई में रुकावट आ सकती है।(2) ईरान और इजराइल के बीच तनाव पहले से चल रहा था, 22 जून को अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों- नतांज, फोर्डो और इस्फहान पर हवाई हमले किए। इससे नाराज ईरान की संसद ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने का प्रस्ताव पास किया हालांकि, इस फैसले को लागू करने के लिए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की मंजूरी चाहिए। ईरान का कहना है कि अगर उसे और परेशान किया गया, तो वो इस रास्ते को बंद करके वैश्विक तेल सप्लाई को बाधित कर सकता है। (3) अगर ये रास्ता बंद होता है, तो तेल की सप्लाई में दिक्कत आएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि कच्चे तेल की कीमतें 30-50पेर्सेंट तक बढ़ सकती हैं। अभी ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है, लेकिन ये 120-150 डॉलर तक जा सकता है। इसका असर भारत पर भी हो सकता है (1) पेट्रोल- डीजल महंगा: तेल महंगा होने से पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं। माना जा रहा है कि पेट्रोल 120 रुपए प्रति लीटर या उससे ज्यादा हो सकता है। (2) महंगाई का बढ़ना: पेट्रोल -डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट का खर्च बढ़ेगा,जिससे खाने-पीने की चीजें, दवाइयां और दूसरी जरूरी चीजें भी महंगी हो जाएंगी।(4) भारत ने हाल के वर्षों में अपनी तेल सप्लाई को काफी हद तक डायवर्सिफाई किया है। (5) भारत सरकार इस मसले पर पूरी नजर रखे हुए है। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया है कि भारत के पास कई हफ्तों का तेल भंडार है और तेल कंपनियां कई रास्तों से सप्लाई ले रही हैं। उन्होंने कहा- हम पिछले दो हफ्तों से मिडिल ईस्ट के हालात पर नजर रख रहे हैं। (6) स्ट्रेट ऑफ होर्मुजको पूरी तरह बंद करना आसान नहीं। स्ट्रेट में दो-दो मील की शिपिंग लेन हैं, और इसे बंद करने के लिए ईरान को बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करनी होगी।

साथियों बात अगर हम पश्चिम एशिया में बढ़ते भू राजनीतिक तनाव का असर भारत पर पड़ने की करें तो भारत की जीडीपी पर भी पड़ सकता है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने संभावना जताई कि अगर इस संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर की बढ़ोतरी होती है, तो भारत के शुद्ध तेल आयात में लगभग 13 से 14 डॉलर की वृद्धि होगी। इससे भारत का चालू खाता घाटा (सीएडी) सकल घरेलू उत्पाद के 0.3 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। एक देश के चालू खाते में आयात और निर्यात के बीच असंतुलन को दर्शाता है। यह वह स्थिति है जब निर्यात से अधिक आयात पर खर्च होता है। इसमें कहा गया कि अगर वित्त वर्ष 2026 में कच्चे तेल की औसत कीमत बढ़कर 80 से 90 डॉलर प्रति बैरल हो जाती है, तो सीएडी मौजूदा अनुमान जीडीपी के बढ़कर जीडीपी के 1.5 से 1.6 पेर्सेंट तक पहुंचने की संभावना है। इससे वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ेगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ईरान-इजरायल अमेरिका युद्ध-खेमेबाजी का दौर शुरू- तीसरे विश्व युद्ध की ओर दुनियाँ बढ़ी-स्टेट ऑफ होमर्ज बंद होगा- तेल संकट से दुनियाँ जूझेगी, ईरान-इजरायल,अमेरिका युद्ध से कच्चे तेल की कीमतों में विस्फोटक वृद्धि की संभावना- ईरान के स्टेट आफ होमर्ज (तंग समुद्री रास्ता) बंद करने की संभावना,तीसरे विश्व युद्ध की ओर कदम बढ़ाती परिस्थितियों से दुनियाँ डरी-परमाणु खतरों की आशंका बढ़ी - युद्ध की भयावहता को रेखांकित कर त्वरित समाधानके लिए सवांद जरूरी है।

आपात काल का ढिंढोरा

भारतीय लोकतंत्र ने विश्व भर में प्रशंसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त की है। हालांकि लोकतंत्र की इस समृद्ध यात्रा में आपातकाल जैसा एक कलंकित अध्याय भी जुड़ा है। 25 जून, 1975 की वो रात कौन भूल सकता है जिसे खासतौर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 'तानाशाही' के रूप में जाना जाता है। ये वही रात थी जब तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर देश में आपातकाल की घोषणा की थी। 25 जून 2025 को कांग्रेस की शीर्ष नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश पर आपातकाल को थोपे हुए 50 वर्ष पूरे होंगे। इमरजेंसी में कांग्रेस की दुर्भावना का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने आज तक इसके लिए माफी नहीं मांगी। बीते 21 जून को पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश की एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, "कांग्रेस को आपातकाल के लिए देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इसे लेकर पछतावा होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस ने कभी भी इसके लिए माफी नहीं मांगी। अब जब देश में आपातकाल लागू हुए 50 साल होने जा रहे हैं, तो ऐसे में कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से इस पर पछतावा होना चाहिए।" 20 नवंबर, 2017 को आपातकाल के दौरान जेल काटने वाले पत्रकार कुलदीप नैयर का बीबीसी में प्रकाशित एक लेख आपातकाल को लेकर कांग्रेस के चरित्र का बखूबी चित्रण करता है। नैयर लिखते हैं, "आपातकाल किसी अपराध से कम नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने इसके लिए कभी माफी नहीं मांगी। खासकर नेहरू-गांधी खानदान से अफसोस का एक शब्द भी नहीं कहा गया। गैर-कांग्रेसी पार्टियों ने इसके विरोध में बयान जारी किया या विरोध प्रदर्शन भी किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी आपातकाल पर खामोश ही रही।" माफी मांगने की बजाय इंदिरा गांधी के पुत्र पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को आपातकाल पर गर्व करते हुए लोकसभा में कहा था कि आपातकाल में कुछ भी गलत नहीं है।" पूर्व प्रधानमंत्री ने यहां तक कहा था कि अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री इन परिस्थितियों में आपातकाल को जरूरी समझता है और आपातकाल लागू नहीं करता है तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के लायक नहीं है। तानाशाही पर गर्व करने का यह कृत्य ही दर्शाता है कि कांग्रेस को परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है।" पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का वक्तव्य कांग्रेस के मूल चरित्र को दर्शाता है। आपातकाल की अवधि के बाद दो पीढ़ियां बड़ी हो चुकी हैं तो उन्हें इसकी भनक नहीं होगी कि तब देश में कितने खराब हालात रहे। बिना किसी अदालती कार्यवाही के संसद से विपक्षी सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। एक लाख से ज्यादा लोगों को जेल में डाल दिया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरजेंसी के दौरान 1 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी। इंदिरा गांधी ने खुद को ही कानून बना लिया था। इंदिरा गांधी में प्रतिशोध की भावना की सारी सीमाएं टूट गई थीं। आपातकाल के दौरान कांग्रेस ने देश के संवैधानिक संस्थाओं और मर्यादाओं के साथ जो खिलवाड़ किया है, उसका खामियाजा आज तक देश भुगत रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने जुलाई 2015 में कहा, "हमें क्यों माफी मांगनी चाहिए? हम क्यों आपातकाल पर चर्चा करें?" मार्च 2021 को राहुल गांधी ने अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में आपातकाल पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, "मुझे लगता है कि वह एक गलती थी बिलकुल, वह एक गलती थी। और मेरी दादी (इंदिरा गांधी) ने भी ऐसा कहा था।" मई 2004 में इंडियन एक्सप्रेस के तत्कालीन प्रधान संपादक शेखर गुप्ता के साथ बातचीत में सोनिया गांधी ने कहा था कि उनकी सास ने बाद में महसूस किया था कि यह एक गलती थी। सोनिया गांधी ने तब कहा था, 'ठीक है, मेरी सास ने खुद चुनाव हारने के बाद (1977 में) कहा था कि उन्होंने उस (आपातकाल) पर पुनर्विचार किया था। और यह तथ्य कि उन्होंने चुनाव की घोषणा की, इसका मतलब है कि उन्होंने आपातकाल पर पुनर्विचार किया था।' बीते साल 25 जून को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आपातकाल की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़ा, जिसमें आपातकाल को 'प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला' बताया गया। कांग्रेस सांसदों ने प्रस्ताव विरोध में कहा कि पांच दशक पुराने इस काले दौर का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए। ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आपातकाल को सही मानती है या फिर वह चाहती है कि लोकतंत्र को कलंकित करने और संविधान का निरादर करने वाले इस तानाशाही भरे कदम का स्मरण नहीं किया जाना चाहिए? निर्लज्जता की पराकाष्ठा देखिए जिस कांग्रेस के नेता ने केवल अपनी सत्ता कायम रखने के लिए आपातकाल लगाया, इन दिनों उसी पार्टी के नेता संविधान रक्षक होने का दावा करते घूमते हैं। 2024 के आम चुनाव से इंदिरा गांधी के पोते राहुल गांधी लगातार संविधान की एक किताब को सार्वजनिक रूप से लहराकर यह दावा करते रहते हैं कि कांग्रेस ही संविधान एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक संरक्षक है, जबकि सच्चाई यही है कि कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान के आत्मा को क्षति पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिसंबर 2024 को लोकसभा में संविधान पर विशेष बहस के दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'उन्होंने (राजनाथ सिंह) 1975 (आपातकाल) के बारे में बात की तो सीख लीजिए न आप भी... आप भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगिए... आप भी बैलेट पर चुनाव कर लीजिए... दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा।' यानी अपनी गलती के लिए माफी मांगने की बजाय सामने वाले को नसीहत देना कांग्रेस की पुरानी फितरत है। प्रियंका ने भी वही किया जो उनकी पार्टी के नेता करते आए हैं। नैयर लिखते हैं कि, "युद्ध के बाद के जर्मनी ने हिटलर के अत्याचारों के लिए माफी मांगी थी। यहां तक कि जर्मनी ने इसके लिए हर्जाना भी भरा था। ऐसे अत्याचारों के लिए कोई माफी नहीं दी जा सकती, लेकिन लोगों को सामान्य तौर पर लगता है कि बच्चों को एहसास होगा कि उनके पूर्वजों ने गलती सुधारने की कोशिश की थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह अमृतसर स्वर्ण मंदिर गए थे और उन्होंने ब्लू स्टार ऑपरेशन के लिए माफी मांगी थी।" उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 जून, 2024 को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए जो शब्द कहे थे, उससे कांग्रेस के मूल स्वरूप और चरित्र को जानना और समझना सरल हो जाता है। योगी ने कहा था कि, उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था और आज भी कांग्रेस में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है। आपातकाल के 45 साल बाद विदेशी धरती पर राहुल गांधी ने स्वीकार किया कि इमरजेंसी का निर्णय गलत था। लेकिन देशवासियों से उन्होंने या कांग्रेस के किसी नेता ने आपातकाल के लिए माफी नहीं मांगी।

सम्पादकीय...

दखलअंदाजी बर्दास्त नहीं

आज हमारे देश की ताकत भगवान राम जी के आदर्श हैं उन्होंने शांति से जीना भी सिखाया, और नारी सम्मान के लिए युद्ध करना भी सिखाया, हमारा देश किसी भी अपने मामले में किसी दूसरे देश की दखलअंदाजी बिल्कुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ देश 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर है और आतंकवादी घटना बिल्कुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ बात प्रधानमंत्री मोदीजी ने जी -7 सम्मलेन पर कहा, इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुपी साध ली और लंच पर बुलाया लेकिन श्री मोदीजी ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि ट्रम्प ने दोनों देशो को एक ही नजरिये से ट्रेड का बहाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीफ लंच करने गए इससे ऐ सिद्ध होता है अमेरिका पर भरोसा करना बिल्कुल ठीक नहीं है इसका हमेशा पुराना इतिहास रहा है भारत के लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत को हटाया है अटलजी जब प्रधानमंत्री थे तो कारगिल युद्ध में सेटेलाइट इमेज माँगा था जो अमेरिका ने देने से मना कर दिया ऐ तो भारत के सेना का जज्बा था कि कारगिल युद्ध में विजय रहा भारत के जवान हमारे वैज्ञानिक हमारे देश के नायक हैं जिन्होंने अमेरिका के दबाव में भी 1998 में परमाणु परीक्षण भी कर लिया और भारत परमाणु संपन्न देश है जो ना तो किसी से डरेगा ना ही किसी के लालच में पड़ेगा क्योंकि भगवान राम का आशीर्वाद है। भारत देश ना तो किसी से डरा है ना किसी की चापलूसी को प्रधानमंत्री से साफ कह दिया आतंकवादी को किसी भी कीमत पर बक्सा नहीं जायेगा भारत पाकिस्तान पर भारी पड़ा और पाकिस्तान ने ही युद्ध रोकने की कोशिश की थी और प्रधानमंत्री जी ने सीजफायर कराता मोदीजी हमेशा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर लगे है हमारी शक्ति को दुनिया ने देखी है हम भारतीय दुश्मन को मार सकते हैं चाहे शहीद क्यों ना होना पड़े और जब 140 करोड़ भारतीय आतंकी के खिलाफ लड़ेंगे तो उसे मिट्टी में मिला देंगे भारत परमाणु संपन्न देश है और डी आर डी ओ, इसरो, ब्रह्मोस और कई ऐसी मिसायल टेक्नोलॉजी की कंपनी है जो विश्व स्तर का मिसाइल सिस्टम है हम लोग देश के लिए मर मिटने वाले में से हैं लेकिन गुलामी या आतंकी पसन्द नहीं है इसलिए अंग्रेजो को हराया आखिर मोदीजी क्यों नहीं गए ट्रम्प के बुलावे पर क्योंकि अब वो भारत नहीं है जो आतंकवादी हमले पर चुप बैठने वाला है ऐ वीर शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविंद सिंह और कई वीर योद्धाओ का देश है जो शहीद होना पसंद करेगा लेकिन आतंकी के खिलाफ झुकना नहीं और उसे युद्ध माना जायेगा ऐ प्रधानमंत्री जी ने खुद कहा है पाकिस्तान के परमाणु बम पर दूसरे देश जो डिनर पर बुलाते हैं उसका नियंत्रण है जबकी हमारी ताकत किसी दुसरे देश पर बिल्कुल निर्भर नहीं है और ऑपरेशन सिंदुर में भारतीय सेनाओ ने पाकिस्तान को जबरदस्त सिकस्त दि थी ऐ दुनिया ने देखा है जहाँ तक इजराइल और ईरान के युद्ध का सवाल है इसमें भारत ने किसी का पक्ष नहीं रखा है जबकी ईरान के समर्थन में अब रूस और चीन सामने आ गए हैं ऐ ट्रम्प महोदय केवल युद्ध भड़का रहें हैं और दूसरे के घर में बेबजह झाँक कर खुद ही मजाक के पात्र बन गए है इसलिए वहाँ के जानेमाने उद्योगपति स्टॉर्लिंक के मालिक एलेन मस्क बे दुरी बना ली भारत को उसी समय सचेत रहना चाहिए जब हमारे भारतीय जिसमें कुछ भारतीय डंकी रुट ने नहीं गए थे वो भी कार्गो प्लेन में हथकड़ी बाँधकर भारत में उस स्थान अमृतसर पर भेजा गया जहाँ गुरू का स्वर्ण टेम्पल है ट्रम्प केवल बोल कर एक देश से दूसरे देश को लड़ा रहें है और बाद में उसे अकेले छोड़ देते हैं जैसे यूक्रेन को अकेले छोड़ दिया और भरी सभा में उसकी बेइज्जत भी कर दि हर देश का अपना रक्षा करने का अधिकार है पहले इजराइल को ईरान से एटमबम बनाने से रोकने के लिए उकसाया और इजराइल ने आक्रमण किया जबकी उसे लड़ाई के हर दिन का खर्च 600 करोड़ रुपए के आसपास है लेकिन हिम्मत है उसे मालूम होगा ईरान की ताकत लेकिन वो सोचा होगा की अमेरिका मदद करेगा और अब हर दिन मीटिंग चल रहा जबकी उसके शहरों को भारी नुकसान ईरान के मिसाइल से हो रहा युद्ध में उसी ने झोंका है क्योंकि वो लागातार ऐ बोलते नजर आ रहे हैं कि ईरान कभी परमाणु बम नहीं बना सकता इसलिए इजराइल को जंग में ढकेल कर पीछे हट रहें हैं क्योंकि जिसे करना रहता है वो इसपर इतना नहीं सोचेगा और इतने दिनों में शत्रु इसका फायदा उठा सकेगा भारत को तटस्थ है क्योंकि दोनों उसके लिए महत्वपूर्ण है अतः ट्रम्प केवल कागजी शेर की तरह बड़ी बड़ी बातें करते है और जब किसी की जरुरत पड़ती है तो युद्ध को भड़का कर हाथ पीछे कर लेते हैं इस तरह का बयान देना कि हमें पता है ईरान का सुप्रीम लीडर कहाँ है तेहरान खाली करो इसके क्या मायने हैं और अगले सप्ताह होने तक दोनों देश में कितना खून खराबा होगा कहते है कि भारत और पाकिस्तान का जंग मैंने रुकवाया तो पहली बात ऐ भारत का पाकिस्तान से नहीं उसके आतंकवादी से था और जो इसका सरगना आशिर मुनीर जो वहाँ का सेना प्रमुख था उसे अमेरिका बुलाकर ऐ तो सिद्ध हो जाता है कि आतंकवादी को कमजोर नहीं उसमें हौसला बढ़ा रहें हैं जिससे उनकी ही बदनामी हो रही है यदि सही मायने में जंग रुकवाना है तो इजराइल और ईरान में रुकवा दें जिसमें दोनों को भारी नुकसान हो रहा है इजराइल तो छोटा देश है लेकिन उसका हौसला बड़ा है लेकिन आगे इसे शांतिपूर्ण तरीके से रोकना चाहिए अमेरिका की साख इससे गिर रही है क्योंकि उसे महाशक्ति के रूप में जानते हैं जब ईराक और अफगानिस्तान में कुछ ही दिनों में उसे घुटने पर लें आया था और अफगानिस्तान में ही सबसे ज्यादा बंकर ब्लस्टर बम का उपयोग पहाड़ी के अंदर छिपे आतंकवादी को मारने में की थी। और इराक जो ईरान से बर्षो से युद्ध लड़ा उसके अंदर कब्जा कर लिया और सद्दामहुसैन को फांसी दें दि अरब में जो हो रहा है वो खलीफा के लिए हो रहा है जहाँ एक से दूसरे देश में काफी मतभेद हैं शिया और सुन्नी को लेकर इसलिए वहाँ मुस्लिम देश एकमत नहीं है यदि होता तो सीरिया में तख्तापलट नहीं होता खैर युद्ध में विनाश ही होता है और इसका असर पुरे विश्व पर पड़ता है अब ऐ बात समझ लेनी चाहिए की किसी दूसरे देश के बहकावे में नहीं बल्कि आगे के भविष्य को देखते हुए ही युद्ध में हाथ डालें और उसकी दूरगामी परिणाम को देखते हुए ही युद्ध करें हमें तो लगता है जो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडन का प्रशासन इससे अच्छा था क्योंकि उसने इजराइल को ईरान में ऐसे हमले से सतर्क किया था और उसके परमाणु सवन्त्र पर हमले ना करने की सलाह दि थी और वो खुद ही इजराइल गए थे जब आतंकी हमला हुआ था उससमय इजराइल मजबूत नजर आ रहा था लेकिन आज कमजोर नजर आ रहा है जैसे लगता है अमेरिका के बहकावे में ऐ कदम उठाया जिसे बहुत सोच समझ कर करनी चाहिए थी और सबकुछ तो शांत चल रहा था कोई क्या कर रहा उससे क्या मतलब अपनी ताकत ठीक होनी चाहिए और इजराइल एक परमाणु संपन्न देश है इसलिए कोई क्या बना रहा है उसमें उलझना नहीं चाहिए अगर उलझना भी है तो पहले उसकी ताकत को देखकर और अपने ताकत का आकलन कर ही युद्ध में कूदना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने कदम ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पैन्टावाला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/08862)

फडणवीस ने राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदाता बढ़ने के दावों को

मुंबई, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बढ़े मतदाताओं के आंकड़ों को तर्कहीन और हताशा से भरा बताया है। मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी से इस संदर्भ में और भी अध्ययन करने की अपील की है। देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बढ़े हुए मतदान प्रतिशत को लेकर चुनाव आयोग ने साफ तौर पर सफाई दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की सफाई पर विश्वास न करते हुए एक बार फिर वही संदेह जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मालाड विधानसभा क्षेत्र में 11 फीसदी (38625) मतदाता बढ़े हैं। वहां कांग्रेस के असलम शेख चुनाव जीते हैं, जबकि पश्चिम नागपुर निर्वाचन क्षेत्र में 7 प्रतिशत (27065) मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, वहां

कांग्रेस के विकास ठाकरे चुनाव जीते हैं। इसी तरह कांग्रेस के ही नितीन राउत के विधानसभा क्षेत्र में भी 7 प्रतिशत मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि पुणे जिले के वडगांव शेरी निर्वाचन क्षेत्र में 10 प्रतिशत (50911) मतदाता बढ़े हैं और वहां शरद पवार गुट के बापूसाहेब पठारे जीते हैं। मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र में 9 प्रतिशत मतदाता बढ़े, वहां भी शरद पवार गुट के जितेंद्र आव्हाड जीते हैं।

प्राक्कलन समिति ने अपनी 75 साल की यात्रा में 1,000 से अधिक रिपोर्ट संसद को सौंपी : ओम

मुंबई, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को मुंबई में कहा कि वित्तीय अनुशासन, जवाबदेही, प्रशासन में पारदर्शिता, सटीक बजटीय पूर्वानुमान और गतिशील प्रशासन के लिए प्रभावी कार्य पद्धति का निर्णय पूर्वानुमान समिति के माध्यम से किया जाएगा। ओम बिरला मंगलवार को पूर्वानुमान समिति के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। ओम बिरला ने कहा कि प्राक्कलन समिति ने अपनी 75 साल की यात्रा में 1,000 से अधिक रिपोर्ट संसद को सौंपी है। समिति ने जलवायु परिवर्तन, हरित

ऊर्जा, भारतमाला, एम्स और इलेक्ट्रिक वाहन नीति पर सरकार को महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं। सरकार ने संसद और राज्यों में समिति द्वारा की गई 97 प्रतिशत सिफारिशों को स्वीकार किया है। आने वाले दिनों में संसद और विधानमंडल के सदस्यों की कार्य पद्धति को और अधिक कुशल बनाने के लिए काम किया जाएगा। बैठक में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की प्राक्कलन समितियों के 109 प्रतिनिधियों और संसद में समिति के 22 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक में बजटीय प्रावधान, निधियों का उपयोग, संसदीय कार्य में प्रौद्योगिकी का उपयोग, वित्तीय स्तर पर राज्य और केंद्र सरकारों के बीच प्रभावी समन्वय, प्राक्कलन समिति द्वारा की गई सिफारिशें आदि पर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में समिति के कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाने, प्रभावी डेटा विश्लेषण और समिति में सदस्यों की न्यूनतम संख्या तय करने का निर्णय लिया गया।

सेना की आतंकवाद निरोधक क्षमता बढ़ेगी, दो हजार करोड़ के हथियार खरीदे

नई दिल्ली, भारतीय सेना के लिए लगभग दो हजार करोड़ रुपये की लागत से 13 तरह की हथियार प्रणालियां खरीदी जाएंगी। केंद्र सरकार ने आपातकालीन खरीद के तहत 1,981 करोड़ रुपये के 13 अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन उपकरणों की डिलीवरी 12 महीनों के भीतर पूरी हो जाएगी। ये हथियार विशेष रूप से सेना की आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए खरीदे जाएंगे।

रक्षा मंत्रालय ने आतंकवाद के खिलाफ अभियानों में भारतीय सेना की परिचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आपातकालीन खरीद व्यवस्था के अंतर्गत 13 अनुबंधों को अंतिम रूप दिया है। भारतीय सेना के लिए 2,000 करोड़ रुपये के कुल

स्वीकृत परिव्यय में से 1,981.90 करोड़ रुपये की राशि के इन अनुबंधों को अंतिम रूप दिया गया है। आपातकालीन खरीद व्यवस्था के अंतर्गत फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पादित इस खरीद का उद्देश्य आतंकवाद के खिलाफ अभियानों में तैनात सैनिकों के लिए मारक क्षमता, गतिशीलता और सुरक्षा को बढ़ाना है। तेजी से क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए इस अधिग्रहण को कम समय सीमा में पूरा किया गया।खरीदे जाने वाले प्रमुख उपकरणों में एकीकृत ड्रोन डिटेक्शन और इंटरडिक्शन सिस्टम (आईडीडीआईएस), निम्न स्तर के हल्के वजन वाले रडार (एलएलएलआर), बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) लांचर और मिसाइल, दूर से संचालित हवाई वाहन, वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग सिस्टम सहित लोइटरिंग म्यूनिशन, विभिन्न श्रेणियों के ड्रोन, बुलेट प्रूफ जैकेट, बैलिस्टिक हेलमेट, त्वरित प्रतिक्रिया लड़ाकू वाहन (भारी और मध्यम), राइफलों के लिए रात्रि दृष्टि शामिल है। यह खरीद भारतीय सेना को उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक और पूरी तरह से स्वदेशी प्रणालियों से लैस करने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह आपातकालीन खरीद व्यवस्था तत्काल क्षमता अंतराल को पाटने और महत्वपूर्ण परिचालन उपकरणों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट की होगी दोबारा जांच, चुनाव आयोग ने

नई दिल्ली, बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग पूरे राज्य में मतदाता सूचियों की दोबारा जांच करवाने जा रहा है। इसके लिए आयोग ने आज जरूरी निर्देश जारी कर दिए हैं। इस प्रक्रिया का मकसद ये है कि जिन लोगों को वोट देने का अधिकार है, उनके नाम वोटर लिस्ट में जरूर हों और जिनके नाम नहीं होने चाहिए, उन्हें हटा दिया जाए। चुनाव आयोग ने बताया कि इस काम के लिए बूथ लेवल ऑफिसर यानी बीएलओ घर-घर जाकर लोगों की जानकारी की जांच करेंगे। इसमें खास ध्यान नए युवा वोटरों के नाम जोड़ने, जिनकी मौत हो चुकी है उनके नाम हटाने और किसी गलत या अवैध तरीके से जुड़े नामों को हटाने पर होगा। बता दें कि बिहार में इस तरह की बड़ी जांच आखिरी बार 2003 में हुई थी। अब शहरीकरण बढ़ने, लोगों के पलायन

और जनसंख्या में बदलाव जैसे कारणों की वजह से यह दोबारा जरूरी हो गया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, जिन लोगों का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ा जाएगा, उनके दस्तावेजों की जांच के बाद एक ऑनलाइन सिस्टम (ईसीआईनेट) में अपलोड करना जरूरी होगा। हालांकि, इन दस्तावेजों को सिर्फ चुनाव से जुड़े अधिकारी ही देख पाएंगे ताकि लोगों की जानकारी सुरक्षित रहे। अगर किसी को लगता है कि उसके नाम को गलत तरीके से जोड़ा गया है या हटाया गया है, तो वह इस पर आपत्ति कर सकता है। ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारी जांच करेंगे और अगर किसी को फिर भी संतोष नहीं हुआ, तो वह जिला अधिकारी या राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी से शिकायत कर सकता है। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि इस पूरी प्रक्रिया में बुजुर्ग, बीमार, दिव्यांग और गरीब लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए जरूरत पड़ने पर स्वयंसेवकों की मदद ली जाएगी। साथ ही, आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है कि वे अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करें और इस काम में पूरी तरह से भाग लें। इससे शुरुआत में ही गलतियों को ठीक किया जा सकेगा और बाद में दावा-आपत्तियों की झंझट कम होगा। आयोग ने कहा कि वोटर और राजनीतिक दल, दोनों ही चुनाव की प्रक्रिया में सबसे जरूरी भागीदार हैं, और उनकी पूरी भागीदारी से ही यह काम अच्छे तरीके से हो सकेगा।

आपातकाल सत्ता बचाने का षड्यंत्र था, देश की सुरक्षा नहीं थी खतरे में : अमित

नई दिल्ली, आपातकाल की 50वीं बरसी के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 1975 में लगाए गए आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री संग्रहालय में आयोजित इस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आपातकाल कोई राष्ट्रीय संकट का परिणाम नहीं था, बल्कि यह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सत्ता बचाने की कोशिश थी। 24 जून 1975 की रात स्वतंत्र भारत की सबसे काली रात थी, क्योंकि इसके बाद लोकतंत्र की सुबह पूरे 21 महीने बाद आई। उन्होंने कहा कि इस अवधि

में न तो संसद की सहमति ली गई, न कैबिनेट की बैठक बुलाई गई और न ही विपक्ष को विश्वास में लिया गया। सिर्फ सत्ता बचाने के लिए देश को तानाशाही के अंधेरे में धकेल दिया गया। शाह ने चेताया कि लोकतंत्र और तानाशाही मानव स्वभाव के दो भाव हैं। अगर लोकतंत्र फिर से पुनर्जीवित हो सकता है, तो तानाशाही का खतरा भी दोबारा उभर सकता है। इसलिए युवाओं को यह इतिहास जानना और समझना जरूरी है। 50 साल पहले की घटनाएं भले दस्तावेजों में दर्ज हों, लेकिन उनके जख्म आज भी करोड़ों भारतीयों के दिलों में ताजा हैं। शाह ने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी माना जाता है और यही कारण है कि देश की जनता ने कभी तानाशाही को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान लाखों लोग जेल गए, करियर तबाह हुए, परिवार बर्बाद हुए, लेकिन उन्होंने लोकतंत्र की लड़ाई नहीं छोड़ी।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को पत्र लिख मुलाकात के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली, चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके अंग्रेजी समाचार पत्र में प्रकाशित लेख को लेकर पत्र भेजा है। आयोग ने कहा है कि वे महाराष्ट्र चुनावों या अन्य किसी विषय पर आयोग से मिल सकते हैं। आयोग सूत्रों के अनुसार, यह पत्र 12 जून को लिखा गया था, जिसे राहुल गांधी के आवास पर रिसीव कर लिया गया है और इसकी एक प्रति ई-मेल के माध्यम से भी भेजी गई है।

पत्र में आयोग ने उल्लेख किया है कि राहुल गांधी ने 7 मई को एक लेख लिखा था, जिसमें महाराष्ट्र चुनावों से संबंधित कुछ विषय उठाए गए थे। आयोग ने कहा है कि इन मुद्दों का उत्तर पहले ही विस्तार से दिया जा चुका है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि वह नियम प्रक्रिया के तहत चुनाव

कराता है, जो पूरी तरह से विकेंद्रीकृत होती है। इसमें राजनीतिक दलों के एक लाख से अधिक एजेंट बूथ स्तर पर तैनात होते हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि हम मानते हैं कि चुनाव संचालन से जुड़े किसी भी मुद्दे को कांग्रेस उम्मीदवारों द्वारा सक्षम न्यायालयों में दायर याचिकाओं के माध्यम से पहले ही उठाया जा चुका होगा।

तेहरान से 11 दिनों की जद्दोजहद के बाद कोलकाता लौटे बंगाल के पर्वतारोही फाल्गुनी

कोलकाता, तेहरान में युद्ध के हालात के बीच करीब 11 दिनों तक संघर्ष करने के बाद पश्चिम बंगाल के पर्वतारोही और कोलकाता के भूगोल प्रोफेसर फाल्गुनी देय आखिरकार कोलकाता लौट आए हैं। दिल्ली से एयर इंडिया की फ्लाइट जैसे ही सुबह लगभग आठ बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी, फाल्गुनी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। उनकी आंखों में राहत, डर और आभार के मिले-जुले भाव थे। 40 वर्षीय फाल्गुनी देय ने मंगलवार को इन 11 दिनों की त्रासदी को याद करते हुए बताया कि ईरान में अपने ठहराव के दौरान न केवल जान का जोखिम उठाया, बल्कि करीब तीन हजार किलोमीटर का सड़क का सफर भी तय किया।

वे 13 जून को ईरान से भारत लौटने वाले थे, लेकिन तेहरान हवाई अड्डा युद्ध की वजह से बंद हो गया, जिससे वे वहीं फंस गए। युद्ध के साए में बीता हर दिन बना चुनौतीफाल्गुनी 11 जून को तेहरान लौटे थे, जब उनका माउंट डेमावंद पर्वत की चढ़ाई का प्रयास असफल रहा। 13 जून को उनकी वापसी की फ्लाइट थी, लेकिन उसी रात तेहरान एयरपोर्ट बंद हो गया। इसके बाद उन्होंने 16 जून को सड़क मार्ग से तेहरान छोड़कर अलग-अलग सीमा चौकियों से ईरान से निकलने की कोशिश की। सबसे पहले वे 500 किलोमीटर की कठिन यात्रा कर अजरबैजान की अस्तारा सीमा तक पहुंचे, लेकिन वहां बिना विशेष इमिग्रेशन कोड के उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं मिली।

बिहार धर्म और ज्ञान की भूमि रही है, जिसने देश को अनेक क्रांतिकारी और चिंतक दिए : जगदीप

पटना, बिहार के मुजफ्फरपुर स्थित ललित नारायण (एलएन) मिश्रा कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट के स्थापना दिवस समारोह में मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शामिल हुए। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने अपने सम्बोधन में कहा कि बिहार शिक्षा के क्षेत्र में बहुत आगे बढ़ रहा है। बिहार धर्म और ज्ञान की भूमि रही है, जिसने देश को अनेक क्रांतिकारी और चिंतक दिए हैं। इस भूमि पर आकर मुझे नई ताकत और ऊर्जा की अनुभूति होती है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आजादी की बात करूं तो चंपारण सत्याग्रह बिहार की भूमि पर हुआ। 1917 में महात्मा गांधी जी ने यहां से अपना पहला सत्याग्रह आंदोलन किया। किसान की समस्या को उन्होंने राष्ट्र हित का

आंदोलन बना दिया। बिहार की जनता का उत्साह, ज्ञान और चेतना पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सराहना करते हुए कहा कि यह नीति छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। अपने संसदीय जीवन के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बिताए समय को भी याद किया। उनके संसदीय अनुभवों की सराहना की। इसके साथ ही पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर भी अपनी बात रखी।उपराष्ट्रपति ने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा, "उस समय लोकतंत्र को दबाने का प्रयास किया गया था, लेकिन जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चली संपूर्ण क्रांति ने भारत में लोकतंत्र को नई ऊर्जा और दिशा दी।"

सीडीएस को तीनों सेनाओं के लिए संयुक्त आदेश-निर्देश जारी करने का मिला

नई दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के लिए संयुक्त निर्देश और आदेश जारी करने के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव जनरल अनिल चौहान को अधिकृत किया है। इससे पहले तीनों सेनाओं के लिए अलग-अलग निर्देश/आदेश जारी किए जाते थे। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और परिवर्तन की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेनाओं के लिए संयुक्त निर्देश और संयुक्त आदेश जारी करने के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और सैन्य मामलों के विभाग के सचिव (डीएमए) को अधिकृत किया है। यह पहले की प्रणाली में एक बदलाव का प्रतीक है, जिसमें दो या अधिक सेवाओं से संबंधित निर्देश, आदेश प्रत्येक सेवा द्वारा अलग-अलग जारी किए जाते थे। मंत्रालय की ओर से आज जारी संयुक्त निर्देशों और संयुक्त आदेशों के अनुमोदन, प्रख्यापन और क्रमांकन पर पहला संयुक्त आदेश प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, अतिरेक को खत्म करने और क्रॉस-सर्विस सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देता है। यह पहल तीनों सेनाओं में बेहतर पारदर्शिता, समन्वय और प्रशासनिक दक्षता की नींव रखती है। यह एकजुटता और एकीकरण के एक नए युग की शुरुआत का भी प्रतीक है, जिससे राष्ट्र की सेवा में सशस्त्र बलों की एकता और मजबूत होगी।

डीएम की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की समीक्षा बैठक संपन्न

बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में लोकसभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग बाराबंकी की जिला सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक आहूत की गई। सहायक आयुक्त (खाद्य)-द्वक डा0 शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 390 निरीक्षण, 175 छापे, 175 नमूने, 241 सर्वे नमूने, एमडीएम, पीडीएस, आईसीडीएस के क्रमशः 64, 13 व 29 नमूने संग्रहीत किये गये । इसी अवधि में 65 नमूने मानक के अनुरूप नहीं (51 नमूने अधोमानक, 05 नमूने मिथ्याछाप/नियमों का उल्लंघन तथा 08 नमूने असुरक्षित) पाये गये। इसी अवधि में 110 कि0ग्रा0 बेसन मूल्य 15,000/- रुपये, 200 कि0ग्रा0 बूंदी मूल्य 40,000/- रुपए तथा 14200 लीटर पैक्ड ड्रिंकिंग वाटर मूल्य 2,84,000/- सीज किया गया । 1100 कि0ग्रा0 दूषित मिठाइयां, खोवा, फल सब्जी आदि अनुमानित मूल्य 2,50,000/- विनष्ट कराये गये तथा इसी अवधि में अभियोजन के अन्तर्गत मा0 न्याय निर्णायक न्यायालय में 42 वाद एवं न्यायिक न्यायालय में 01 वाद दायर किया गया। मा0 न्याय निर्णायक न्यायालय द्वारा 72 वादों का निस्तारण किया गया, जिसमें 14,62,000 रुपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया तथा न्यायिक न्यायालय द्वारा 01 वाद का निस्तारण करते हुये 03 वर्ष का कारावास एवं 3,000/- रुपये का अर्थदण्ड लगाया गया। जिलाधिकारी द्वारा समिति की बैठक में सम्बन्धित विभागों को महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये। जिसमें प्रवर्तन कार्यवाही हेतु तहसील सिरौलीगौसपुर में रंगीन चाय के जिले से बाहर के व्यवसायियों द्वारा आपूर्ति करने पर उनको पुलिस से समन्वय स्थापित कर पकड़ने तथा प्रवर्तन कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। तहसील हैदरगढ़ के अन्तर्गत जनपद के बाहर से खाद्य पदार्थ पनीर की आपूर्ति करने वाले व्यवसायियों को पुलिस के समन्वय से चिह्नित करने व प्रवर्तन कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। तहसील रामसनेहीघाट में मिलावटी खोवा बनाये जाने की अभिसूचना के आधार पर उप जिलाधिकारी तहसील रामसनेहीघाट से समन्वय स्थापित कर प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही कराये जाने के निर्देश दिये गये। साथ ही बाल विकास पुष्टाहार विभाग के अन्तर्गत संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों, खाद्य एवं रसद विभाग के सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानें, आबकारी विभाग के अन्तर्गत मदिरा की दुकानों के खाद्य लाइसेन्स/पंजीकरण बनवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

ममता ने सरकार से संघर्षों को कम करने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुनिया के कई हिस्सों में छिड़े युद्ध के कारण वायु और जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की और भारत सरकार से कूटनीतिक पहल करने और इन चल रहे संघर्षों को कम करने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। मंगलवार को राज्य विधानसभा में पर्यावरण मुद्दों पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध छिड़ा हुआ है। ऐसे हालात हवा और पानी को प्रदूषित करते हैं। हमें ऐसे युद्धों को रोकने की दिशा में कदम उठाने होंगे। ममता ने सरकार से शांति प्रयास के लिए पहल करने का आग्रह करते हुए कहा कि विदेश नीति भारत सरकार का विषय है, लेकिन हमें कूटनीतिक और शांतिपूर्ण प्रयास करने चाहिए ताकि युद्ध समाप्त हो सके। हालांकि ममता ने स्पष्ट किया कि वे अंतरराष्ट्रीय मामलों पर बोलने की अधिकृत व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक नागरिक के रूप में यह उनकी निजी राय है। उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी की यह टिप्पणी मध्य पूर्व में तनाव की पृष्ठभूमि में आई है।

मध्य प्रदेश में मूंग और उड़द की मूल्य समर्थन योजना के तहत खरीद होगी, केंद्र का फैसला

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को बैठक कर मध्य प्रदेश में मूंग और उड़द तथा उत्तर प्रदेश में उड़द को मूल्य सर्थन योजना (पीएसएस) के तहत खरीदने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। साथ ही खरीद से संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर राज्य के कृषि मंत्रियों के साथ संवाद करने के साथ नेफेड, एनसीसीएफ और राज्य के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शिवराज सिंह ने बैठक में कहा कि मूंग और उड़द की खरीद के फैसले से केंद्र सरकार को बड़ा वित्तीय भार वहन करना पड़ेगा, लेकिन बावजूद इसके मोदी सरकार किसानों तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बहुत जरूरी है कि खरीद सही तरीके से हो। किसानों से सीधे खरीद से ही बिचौलियों की सक्रियता कम होगी ।

और लाभ सही मायनों में किसान तक पहुंच पाएगा। अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि आधुनिकतम व कारगर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के साथ किसानों के पंजीकरण की उचित व्यवस्थाएं की जाएं। आवश्यकता हो तो खरीद केंद्रों की संख्या में भी इजाफा करें व उचित और पारदर्शी व्यवस्था के साथ खरीद सुनिश्चित करें। केंद्रीय मंत्री ने भंडारण को लेकर मिल रही अनियमितताओं की शिकायत को लेकर भी चिंता व्यक्त की और अधिकारियों व कृषि मंत्रियों को इस दिशा में ठोस कदम उठाने के प्रयास करने की बात कही। शिवराज सिंह ने उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री से कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हित में हरसंभव काम करेगी। बैठक में मध्य प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, केंद्रीय कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

जानिए क्या करे जिसके कारण कंट्रोल हो आपको कोलेस्ट्रॉल

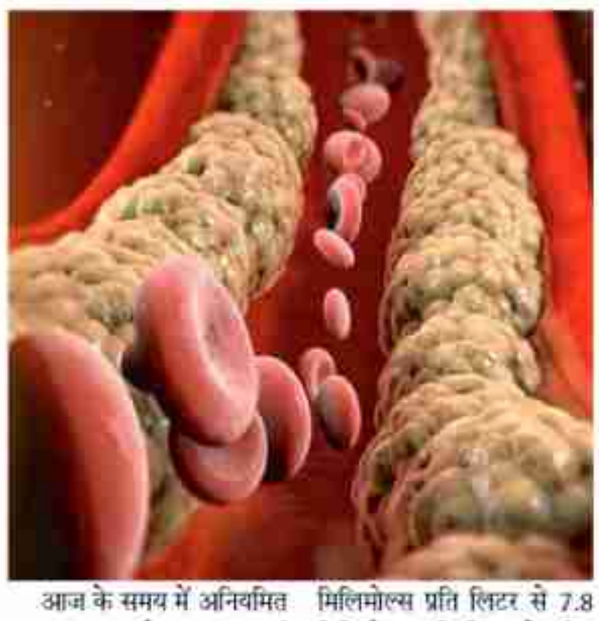

आज के समय में अनियमित लाइफस्टाइल के कारण कई बीमारियों का सामना करना पडता है। इन्हीं में से एक आम समस्या है कोलेस्ट्रॉल की। जिसको कंट्रोल करने के लिए कई तरह की दवाएं लेते है। एक व्यक्ति के खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर 3.6 मिलिमोल्स प्रति लिटर से 7.8 मिलिमोल्स प्रति लिटर के बीच होता है। 6 मिलिमोल्स प्रति लिटर कोलेस्ट्रॉल को उच्च माना जाता है और ऐसी स्थिति में धमनियों से जुड़ी बीमारियों का खतरा बहुत बढ़ जाता है। 7.8 मिलिमोल्स प्रति लीटर से ज्यादा कोलेस्ट्रॉल को अत्यधिक उच्च कोलेस्ट्रॉल का स्तर कहेंगे। इसका उच्च स्तर हार्ट अटैक और स्ट्रोक की आशंका कई गुना बढ़ा देता है।

अगर आपके शरीर में भी कोलेस्ट्राल की मात्रा अधिक बढ़ गई है तो आप बिना दवा खाएं इस घरेलू उपाय द्वारा इस समस्या से निजात पा सकते है। इस ड्रिंक में इस्तेमाल की गई हर चीज आपके कचचन में आसानी से मिल जाएगी। जानिए इसके बारें में। इसको सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल को आसानी से कम कर सकते है।

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में एक कप सेब का सिरका, एक कप अदरक का जूस, एक कप लहसुन का जूस और एक कप नींबू का जूस लेकर ठीक ढंग से मिला लें। गैस में 30 मिनट के लिए रख दें। और जब ये चार कप से तीन कप हो जाए तो गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दे। जब ये ठंडा हो जाए तो इसमें थोड़ा सा शहद मिला लें। जिससे इसका स्वाद थोड़ा ठीक हो जाए। रोजाना सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

सेब का सिरका बॉडी को डीटोक्सीफाई करने में मदद करता है और ब्लड शुगर लेवल को कम करता है। वही अदरक में एंटी-ऑक्सीडेंट होने के कारण यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती है। लहसुन शरीर के फैट को तो कम करती ही है साथ ही कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करने में मदद करती है। इसके अलावा नींबू आपके शरीर में विटामिन सी की कमी को पूरा करने में मदद करती है।

भारत के ऐसे बीच, जहां से दिखते हैं खूबसूरत

आप कहीं विदेश के बीच पर घूमने के बारे में सोच रहे हैं अगर ऐसा है तो एक बार भारत के बीचों के बारे में जरूर सोचें। कुदरत की खूबसूरती में भारत की एक अलग ही बात है। यहा कि खूबसूरत आपका मन-मोह लेगी। यहां की बीच की खूबसूरती का अलग ढ़ग है। कहीं शांति है तो कहीं शोर।

आप अपने मूड के हिसाब से अपने तरीके से बीच चुन सकते हैं और इसका आनन्द उठा सकते हैं। हम अक्सर अपने दिमाग को एक ब्रेक देनें के लिए हिल स्टेशन या फिर पानी में अठखेलियां करने के लिए समुद्री तटों की ओर निकल पड़ते हैं। लेकिन इस बार इन खूबसूरत बीचों पर जाए और खूबसूरत नजारों का मजा लें। जानिए भारत के सबसे खूबसूरत बीच के बारें में।

गोवा

यह बीच अपने भव्य प्राकृतिक दृश्यों के कारण पर्यटकों को सम्मोहित करता है। यहां कुदरत का नजारा देखते ही बनता है।

समुद्र के किनारे झुके हुए खजूर के पेड़ और सफेद चमकीले रेत इस बीच की खूबसूरती को और भी बढ़ा देते हैं। इस बीच को पहले हिप्पियों का बीच कहा जाता था। अगर आप मोलभाव में अच्छे मैं और आपको मोलभाव करके खरीदारी में मजा आता है तो यहाँ लगने वाला बाजार भी आपके लिए एक आकर्षण है। इस बीच पर चाँदनी रातों में हिप्पियों की पार्टियाँ होती हैं जो बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित कराती हैं ।

राधानगर बीच, अंडमान एंड निकोबार आइलैंड

अंडमान निकोबार में राधानगर बीच है जहां पर समंदर अपने विराट अस्तित्व को पसारकर चुपचाप हिलोरें लेता रहता है। यह बीच विदेशियों को भी अपनी ओर खींचता है। यह एशिया का दूसरा सबसे लंबा और मशहूर बीच है। इसकी चैड़ाई लगभग 30 से 40 मीटर है। यह बहुत सुंदर है और नेचर लवर्स है तो लाइफ में एक बार यहां जरुर आए और बीच की लहरों को भी आप छुए बिना नहीं रह पाएंगे।

केवेलोसिम बीच, गोवा

केवेलोसिम बीच नर्म सफेद रेत के लिए प्रसिद्ध है और यहां काली लावा पहाड़ियां होती है। यह तट गोवा के अन्यच प्रसिद्ध तटों की तुलना में साफ और शांत है। यहां अनेक ऐसे तट हैं जहां अनेक प्रकार के गोआनी पकवान और समुद्री खाद्य पदार्थ सस्ते मिल जाते हैं। इसके अलावा बेटी प्लेऐस और डॉलफिन को देखने के लिए यहां नाव से घूमा जा सकता है।

वर्कला बीच, केरल

वर्कला बीच खुश सकने और तैराकी के लिए स्वर्ग माना जाता है। शाम के सूर्यास्त का सीन देखने लायक होता है। पापनासम बीच के निकट कई छोटे रेस्तरां और स्नेक की दुकाने हैं, यह बीच हर तरह के लोगों का मन-मोह लेता है जहां से जाने का मन किसी का नही होता है।

लाइटहाउस बीच, केरल

ताड़ के पेड़ों से घिरे कुरुमकल पहाड़ी पर समुद्र की ओर स्थित 35 मी ऊंचा लाइटहाउस स्थित है। यात्री यहां चक्करदार सीढ़ियों से लाल-सफेद टावर पर चढ़ सकता है और आसपास के मोहक वातावरण का नजारा ले सकते हैं। जहां काफी तादाद में सैलानी यहां पहुंचते हैं। चट्टानों के बीच में विजहिंजम लाइटहाउस होने की वजह से इसका नाम लाइटहाउस बीच पड़ा।

मंद्रम बीच

यह बीच काफी पत्थरीली है। लेकिन यहां का खूबसूरत नजारा देख आप बोल उठेंगे वाह।

कैंडोलीम बीच

यह बीच गोवा के सबसे लंबे बीचों में से एक है। यह भी यहां के फेमस कैलंगट बीच से बेहद नजदीक है। कैंडोलिम बीच शांतिपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाता है। पणजी के बाद सबसे नजदीक पड़ता है।

गर्मियों में ऐसे रखें अपने बालों और स्किन का

गर्मियों का मौसम सौंदर्य के साथ-साथ सेहत के लिए काफी नुकसानदेय है। इसके कारण आपकी स्किन और बालों दोनों को अधिक ध्यान रखना पडता है। क्योंकि सूर्य की हानिकारक अल्ट्रावॉयलट किरणें त्वचा और बालों को काफी नुकसान पहुंचा सकती हैं। इनसे बचने के लिए सावधानी जरूरी है। जिससे कि आपको किसी परेशानी से होकर न गुजरना पडें।

-गर्मियों के दौरान क्लींजिंग मिल्क का इस्तेमाल करने की जगह अपनी त्वचा के अनुरूप सौम्य फेसवॉश का प्रयोग करें। दिन में दो से चार बार एल्फा हाइड्रेक्सी एसिड युक्त फेसवॉश का प्रयोग बेहद लाभदायक है।

-सोने से पहले त्वचा पर तेल रहित मॉयश्चराइजर लगाएं। इससे त्वचा की खोई चमक लौट आएगी।

-बाजार में कई प्रकार के सनस्क्रीन उपलब्ध हैं। एसपीएफ 25 या इससे अधिक वाले सनस्क्रीन का चुनाव करें। घर से बाहर निकलने से 30 मिनट पहले सनस्क्रीन लगाएं।

-चेहरे से अतिरिक्त तेल और मुहांसों के निशान दूर करने के लिए मुल्तानी मिट्टी और सैलिसाइक्लिक एसिड युक्त फेसवॉश लगाएं। इनसे आपको मुहांसों से छुटकारा मिलेगा और त्वचा को प्राकृतिक निखार मिलेगा।

-अत्यधिक पसीने से बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए गर्मियों में अपने बालों को सौम्य शैंपू से धोएं, लेकिन सिर की त्वचा को रगड़ें नहीं क्योंकि ऐसा करने से सिर की त्वचा से तेल निकलता है।

-बालों को रेशमी, मुलायम बनाए रखने के लिए शैंपू के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल करें, लेकिन गर्मियों में बालों पर गाढ़े तेल न लगाएं।

-डैंड्रफ भी बालों के लिए एक बड़ी समस्या है। इससे बाल टूटते हैं। इस समस्या से बचने के लिए अपने बालों को सप्ताह में एक बार जिंक पायरिथोन और केटोकोनजोल युक्त मेडिकेटिड शैंपू से धोएं। डैंड्रफ दूर करने के लिए नींबू और मेथी जैसे घरेलू उपाय भी बेहद कारगर हैं। -अपनी त्वचा और बालों को पोषण देने के लिए पानी, फलों का रस, ठंडा दूध और नारियल पानी भरपूर मात्रा में पीएं। तरल पदार्थ शरीर की मृत कोशिकाओं को पुनर्जीवित करने में मदद करते हैं और निर्जलीकरण और हीट स्ट्रोक से बचाते हैं। इसलिए खुद को ताजे पेय पदार्थों से तरोताजा रखें, लेकिन अत्यधिक चाय, कॉफी या अन्य गर्म पेय पदार्थों से बचें।

झारखंड में आंखें थक जायें, पर दिल न

शिक्षा मनोविज्ञान एक विकासशील अनुशासन (विज्ञान) है। इसके अध्ययन का क्षेत्र मानव व्यवहार का वह पक्ष है जो औपचारिक, अनौपचारिक एवं आनुषंगिक परिस्थितियों में शिक्षण एवं अधिगम की व्यवस्था से संबंधित है। इसका लक्ष्य इन प्रसंगों में शिक्षक अधिगमकर्ता तथा अधिगम परिस्थिति से आबद्ध चरओं का वर्णन, उसकी व्याख्या, भविष्य कथन एवं नियंत्रण करना है। शिक्षा मनोविज्ञान की विषय वस्तु में अधिगम, व्यक्तित्व, मानव वृद्धि एवं विकास तथा मापन एवं मूल्यांकन से लेकर शिक्षण का मनोविज्ञान एवं अनेकानेक शैक्षिक संदर्भ शामिल हैं।

शिक्षा मनोविज्ञान की विषय वस्तु में सामान्यतः अधिगम प्रक्रिया का अध्ययन किया जाता था। इसमें मूल प्रवृत्ति आदत निर्माण, कल्पना, स्मृति, साहचर्य एवं चिंतन पर विशेष बल दिया जाता था। विद्यालय में पढ़ाए जाने वाले विषयों का मनोवैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण करना, असामान्य बालकों तथा मंदन की समस्या के संदर्भ में व्यक्तिगत भिन्नता के तत्वों पर जोर देना तथा प्रयोग एवं अनुसंधान की शुद्धता के लिए मापन के विज्ञान को अत्यावश्यक माना जाता था।

शिक्षा मनोविज्ञान का संबंध अधिगम के मानवीय तत्व से है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें मनोवैज्ञानिक प्रयोगशालाओं के अंतर्गत किए गए अध्ययनों से विकसित संप्रत्ययों का शिक्षा में अनुप्रयोग किया जाता है। साथ ही इसमें ऐसे संप्रत्ययों की शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोज्यता की जांच करने तथा शिक्षकों की रुचि वाले महत्वपूर्ण शीर्षकों का परिशोधन किया जाता है। यह शिक्षण एवं अधिगम-प्रक्रिया के बहुशास्त्रीय रूपों का अध्ययन करता है।

शिक्षा का अर्थ अनौपचारिक रूप से संपन्न तथा स्कूल की चारदीवारी के भीतर आयोजित क्रियाओं से ही नहीं है। इसका द्वारा अनौपचारिक एवं प्रासंगिक ढंग से उपलब्ध करायी जाने वाली व्यवस्थाओं यथाप्रसार केंद्रों, जनसंपर्क साधनों, आकाशवाणी, दूरदर्शन एवं एडुसेट के कार्यक्रमों, पत्राचार एवं दूरवर्ती शिक्षा के पाठ्यक्रमों ओपन स्कूल तथा ओपन विश्वविद्यालयों तक विस्तृत है।

शिक्षा मनोविज्ञान की परिधि परम्परागत ढंग से दी जाने वाली औपचारिक शिक्षा से ही न जुड़कर पूरी शिक्षण-अधिगम की परिस्थिति से आबद्ध है। बिट्राक ने इसी परिप्रेक्ष्य को अपनाते हुए यह बताया है कि शिक्षा मनोविज्ञान के बारे में विचार करते समय हमें एक व्यापक एवं उदार दृष्टिकोण सामने रखना चाहिए। इसके अंतर्गत शैक्षिक परिपार्श्व में मानव व्यवहार के वैज्ञानिक अध्ययन पर बल देना उचित है। एक वैज्ञानिक के नाते हमें शिक्षा के अंतर्गत घटित व्यवहार का वर्णन, अवबोध, भविष्य कथन एवं नियंत्रण करने की कोशिश करनी चाहिए। शिक्षा मनोविज्ञान में प्रयुक्त अध्ययन विधियों को दो वर्गों में बांटा जा सकता है। प्रथम, दूरवर्ती विधियां जिनमें समय, स्थान एवं पर्यावरण की दृष्टि से दूरस्थ परिस्थितियों के संबंध में सामान्यीकरण किए जाते हैं। इनमें प्रमुख हैं प्रेक्षण, प्रयोग, परीक्षण सदृश प्रणाली, विभेदक विधि एवं कार्योत्तर विधि।

दूरवर्ती विधियों के माध्यम से सार्वभौम सत्य या नियमों की स्थापना की जाती है। ये विधियां तथ्यों एवं परिस्थितिगत सत्यों की छानबीन करती हैं और उनसे हटकर उनकी प्रकृति के बारे में सामान्यीकरण प्रस्तुत करती हैं।

प्रेक्षण विधि:

प्रेक्षण विधि का अनुप्रयोग दूसरे व्यक्ति का प्राणी की बाह्य घटनाओं को देखने के लिए किया जाता है। प्रेक्षण की प्रक्रिया में चार बातें होती हैं। अवधान, संवेदना, प्रत्यक्षीकरण तथा संकल्पना। एक सफल एवं प्रभावी प्रेक्षण के लिए अवधान का होना अत्यावश्यक है। अवधान में एक सतर्कता की दशा होती है। संवेदना से तात्पर्य है आंतरिक या बाह्य पर्यावरण का व्यक्ति की इंद्रियों या उपयुक्त इंद्रिय विस्तारक उपकरणों के माध्यम से अभिज्ञता। प्रत्यक्षीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें इंद्रियों द्वारा किए गए बोध को पूर्वानुभवों से जोड़ा जाता है जिससे संवेदना अर्थयुक्त बन जाती है। संकल्पना को मानसिक क्रिया का वह गुण माना जाता है जिसमें व्यक्ति काल्पनिक संप्रत्ययों के निर्माण द्वारा प्रत्यक्षीकरण में निहित बाधाओं को दूर करता है। वह यथार्थ के कुछ पक्षों की बौद्धिक प्रस्तुति है।

प्रयोग विधि:

नियंत्रित प्रेक्षण को प्रयोग के नाम से पुकारा जाता है। प्रयोगात्मक विधि में अपेक्षाकृत अधिक कठोरता एवं नियंत्रण का समावेश होता है। इसके अंतर्गत चार महत्वपूर्ण संक्रियाएं होती हैं। प्रथम, नियंत्रण जिसमें प्रयोगकर्ता अपने अध्ययन के लिए चुने गए चर के अतिरिक्त चरों की गतिविधियों पर यथा संभव अंकुश लगा देता है। द्वितीय हेरफेर करना, जिसमें प्रयोगकर्ता एक चर में परिवर्तन लाकर दूसरे चर पर उसके प्रभाव का जायजा लेने की कोशिश करता है। तृतीय, प्रेक्षण करना, जिसमें एक चर का दूसरे चर पर प्रभाव देखा जाता है।

परीक्षण सदृश प्रणाली:

यह पूर्णतः प्रयोगात्मक न होकर अंशतः प्रयोगात्मक होती है। इन विधियों का अनुप्रयोग ऐसी परिस्थितियों के लिए लिया जाताहै जिन पर प्रयोगात्मक दृष्टि से पूर्ण नियंत्रण संभव नहीं है। शिक्षा की अनेक ऐसी परिस्थितियों के उदाहरण गिनाए जा सकते हैं जहां प्रयोग हेतु परिस्थितियों या व्यक्तियों में तब्दीली या नियंत्रण लाना कठिन होता है। परीक्षण सदृश प्रणाली में वास्तविक परिस्थितियों के माध्यम से अध्ययन किया जाता है।

विभेदक विधि:

यह सर्वविदित है कि मानव-व्यवहार पर फलू से विविधता लिए रहत है। यही कारण है कि शिक्षा मनोविज्ञान में विभेदक विधि के अनुप्रयोग पर विशेष बल दिया जाता है। इस विधि में व्यक्तिगत भिन्नता को केंद्रवर्ती तथ्य के रूप में माना जाता है।

कार्योत्तर विधि:

इस विधि में अध्ययनकर्ता स्वाभाविक रूप में घटित चरों के प्रभाव का विश्लेषण करता है। कार्योत्तर विधि की मुख्यतः दो प्रणालियां आमतौर से लागू होती है। प्रथम, सह संबंध सूचक अध्ययन जिसमें प्रायः दो चरों के मध्य संबंध का।

द्वितीय, निकष समूह अध्ययन जिसमें किसी पूर्व परिभाषित मानदंड के अनुसार दो या दो से अधिक समूहों का चुनाव किया जाता है और उनमें अध्ययन हेतु चुनी हुई विशेषताओं या दशाओं का तुलनात्मक विश्लेषण उनकी उपस्थिति या अनुपस्थिति के अनुसार होता है। दूसरा है, समोपस्थ विधियां जिनमें सांख्यिक रीति से निगमित सामान्यीकरण की वैधता का पता लगाना मुख्य उद्देश्य होता है।